

Roll No.

BAHL-301

हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं काव्यशास्त्र

Bachelor of Arts (B. A.-12/16)

Third Year, Examination, 2017

Time : 3 Hours

Max. Marks : 60

नोट : यह प्रश्न पत्र साठ (60) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. साहित्येतिहास की अवधारणा स्पष्ट करते हुए उसका महत्व बताइए।
2. भक्ति आन्दोलन के महत्व पर प्रकाश डालिए।
3. रीतिमुक्त काव्य की काव्यप्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।
4. सगुण भक्तिकाव्य पर एक निबंध लिखिए।

खण्ड—ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं।
प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं।
शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. काव्य के स्वरूप पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
2. छायावाद के प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए।
3. भक्ति संबंधी विभिन्न दार्शनिक सिद्धान्तों और उनके आचार्यों के नाम लिखिए।
4. संतकाव्य धारा के महत्व पर प्रकाश डालिए।
5. सगुण काव्यधारा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
6. काव्य और काव्यशास्त्र के परस्पर संबंध पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
7. 'कहानी' विधा की विशेषताएँ बताइए।
8. अलंकार संप्रदाय की प्रमुख स्थापनाओं पर विचार कीजिए।

खण्ड—ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सत्य/असत्य का चुनाव कीजिए :

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी कृत 'हिन्दी साहित्य की भूमिका' 1940 ई. में प्रकाशित हुआ था।

2. जगन्नाथदास 'रत्नाकर' रीतिकाल के कवि हैं।
 3. 'ऐसे इन क्रिटिसिज्म' के रचनाकार मैथ्यू आर्नल्ड हैं।
 4. 'हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास' पुस्तक के लेखक रामकुमार वर्मा हैं।
 5. 'संशय की एक रात' निराला की प्रसिद्ध कविता है।
- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :
6. 'शब्दार्थो सहितौ काव्यम्' पंक्ति के रचनाकार हैं।
(मम्मट / विश्वनाथ / भामह)
 7. आचार्य दण्डी हैं। (रसवादी / रीतिवादी / अलंकारवादी)
 8. वक्रोक्ति सिद्धान्त के प्रवर्तक हैं।
(वामन / विश्वनाथ / कुन्तक)
 9. 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' के लेखक हैं।
(हजारीप्रसाद द्विवेदी / रामचंद्र शुक्ल / रामकुमार वर्मा)
 10. आदिकाल को वीरगाथा काल ने कहा है।
(रामचन्द्रशुक्ल / चंदबरदाई / गणपतिचंद्र गुप्त)